सड़क हादसे में घायलों को बचाने के लिए हुआ करार

अस्पतालों के प्रतिनिधियों संग बैठक करते एसएसपी, ट्रैफिक एसपी व अन्य।

राज्य ब्यूरो, रांची : सड़क हादसों में घायल लोगों की जान बचाने के लिए त्वरित चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में रांची पुलिस ने पहल की है। इसके तहत मेडिका और टाटा कंपनी के साथ एक करार हुआ है। मंगलवार को इस संबंध में अधिकारियों ने एक्सीडेंटल रिस्पांस एंड मेडिकल असिस्टेंस, रांची के तहत एग्रीमेंट साइन किया है।

इससे पूर्व एसएसपी प्रभात कुमार और ट्रैफिक एसपी कार्तिक एस ने मेडिका, टाटा के अलावा शहर के अन्य अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की एवं नीति पर विचार किया। इस पहल की मेडिका के चेयरमैन डॉ. आलोक राय और कापस चेयरमैन मंजुला सिंह ने सराहना की। इन्होंने कहा कि समय पर चिकित्सा नहीं मिलने से लोग असमय काल कलवित हो जाते हैं। समय पर चिकित्सकीय सेवा दें हमलोग कई लोगों की जान बचा सकते हैं। बैठक में टाटा स्टील के अधिकारी सतीश सिंह और कनिष्क सिंह ने भी पहल का स्वागत किया। करार के साथ शुरुआत में रांची पुलिस आठ एंबुलेंस उपलब्ध कराएगी। इसमें से राजधानी रांची के शहरी क्षेत्र में छह और रांची-जमशेदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो एंबुलेंस की तैनाती करेगी। हर एंबुलेंस में प्रशिक्षित पुलिसकर्मी के अलावा अस्पताल के कर्मी भी शामिल रहेंगे। जो पुलिस कंट्रोल रूम और अन्य तरीके से मिले सूचना पर तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना होंगे। इस तरह की सुविधा जमशेदपुर में बहाल है।

मेडिका में बना कमांड ऑफिस : एग्रीमेंट के तहत टाटा स्टील सीएसआर के तहत संसाधन और मेडिका विशेषज्ञ की भूमिका में रहेगा। इसके लिए रांची के नामकुम स्थित मेडिका में कमान ऑफिस बनाया गया है।

आठ पुलिसकर्मी को विशेष प्रशिक्षण

इस सेवा के लिए शुरू में दो दिवसीय प्रशिक्षण देकर 30 पुलिसकर्मियों को तैयार किया गया था। इसमें से आठ पुलिसकर्मियों को मेडिका द्वारा छह सप्ताह का प्रशिक्षण देकर कुशल बनाया जाएगा।

मेडिका अस्पताल में बना स्पेशल सेल।

अच्छी पहल

- रांची पुलिस, मेडिका और टाटा स्टील मिलकर करेंगी काम
- शहर में छह और रांची-जमशेदपुर रोड में दो एंबुलेंस की होगी तैनाती

ट्रैफिक कंट्रोल नंबर होगा जारी : अभी तक 100 डायल कर लोग कंट्रोल रूम से संपर्क स्थापित कर पुलिस से सहायता मांगते रहे हैं। लेकिन अब इस सुविधा के अलावा एक और ट्रैफिक कंट्रोल नंबर जारी होगा जिस पर लोग हादसे की सूचना देकर एंबुलेंस सेवा का लाभ ले सकेंगे।

अस्पतालों की विशेषता की पड़ताल शुरू

रांची के जो भी अस्पताल है उनमें कहां पर किस तरह की चिकित्सकीय सुविधा है इसकी सूची रांची पुलिस और मेडिका मिलकर तैयार कर रही है। हादसों के बाद मरीज को पहले तो नजदीक के अस्पताल में इलाज कराया जाएगा। फिर उन्हें जरूरत के मुताबिक विशेषज्ञता वाले अस्पताल में भेजा जाएगा।

घटनास्थल से अस्पताल तक पहुंचाने का खर्च रांची पुलिस और इलाज का खर्च घायल के परिजन वहन करेंगे। घटना के बाद सनहा दर्ज कर पुलिस परिजन को सूचित करेगी। बाद में परिजन की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।